© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

Queensland Government
Queensland Health

Patient Information Sheet (Hindi) - रोगी सूचना पत्र
Swallow / Meal under Imaging - तस्वीरें लेने (इमेजिंग) के समय निगलना/भोजन

1. तस्वीरें लेने (इमेजिंग) के समय निगलना/भोजन निगलना क्या है?

निगलना/भोजन निगलना एक प्रक्रिया है जिसमें भोजन नलिका, आमाशय एवम् ऊपरी छोटी आंत का एक्स-रे होता है।
आपके कॉन्ट्रास्ट (जिसे पूर्व में एक्स-रे डाई के नाम से जाना जाता था) निगलते समय कुछ एक्स- रे तस्वीरें ली जाती हैं।
कभी कभी, खाद्य वस्तुओं को कॉन्ट्रास्ट में लपेटा जाता है और आपसे उन्हें उस समय निगलने के लिये कहा जायेगा जब एक्स- रे तस्वीरें ली जा रही होंगी।
मोडिफाइड स्वालो स्टडी या विडियो स्वालो कहलाने वाली प्रक्रिया ऐसा ही एक मिलता जुलता प्रोसिजर होता है जिसमें यह अध्ययन किया जाता है कि आप कैसे निगलते हैं।

2. क्या उसमें किसी प्रकार की तकलीफ होगी, किसी एनस्थैटिक (संवेदना हीन करने) की आवश्यकता होती है?

तस्वीरें लेने (इमेजिंग) के समय निगलना/भोजन निगलना एक दर्द रहित प्रक्रिया है, इसके लिये एनस्थैटिक की ज़रूरत नहीं होती।

3. प्रक्रिया के लिये तैयारी

मैडिकल इमेजिंग विभाग द्वारा आपको बताया जायेगा कि आप अपने प्रोसिजर के लिये कैसे तैयारी करें।

- यदि आपको संदेह है या आप जानती हैं कि आप गर्भवती हैं तो कृपया कर्मचारी को बतायें।

4. प्रक्रिया के दौरान

आपसे उस समय कॉन्ट्रास्ट या भोज्य वस्तुएं निगलने के लिये कहा जायेगा जब तस्वीरें ली जा रही होंगी।
आपसे तरल, चूरा या कोई गोली निगलने के लिये कहा जायेगा जिससे पेट में गैस बनेगी। इससे आपको भरा हुआ महसूस होगा और डॉक्टर द्वारा आपके आमाशय का निरीक्षण किया जा सकेगा।

5. प्रक्रिया के बाद

प्रक्रिया के बाद कुछ दिनों तक आपका मल सफेद रंग का हो सकता है, ऐसा होना सामान्य बात है।

प्रक्रिया के बाद, कब्ज व शरीर में पानी की कमी से बचने के लिये, कुछ दिन तक खूब सारा पानी पीना महत्वपूर्ण है।

6. इस विशेष प्रक्रिया के क्या क्या खतरे हैं?

इस प्रक्रिया से निम्नलिखित के अलावा भी खतरे व परेशानियां हो सकते हैं।

सामान्य खतरों व परशानियों में शामिल हैं:

- उल्टियां हो सकती हैं जिसका ईलाज दवा से करना पड़ सकता है।
- कब्ज, अतिरिक्त मात्रा में तरल पदार्थ व लैक्सेटिव्स (मल को मुलायम करने वाली दवा) पीने से इस परेशानी में सहायता मिलती है।
- दस्त, इससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। अतिरिक्त मात्रा में तरल पदार्थ पीने से इसमें सहायता मिल सकती है।

सामान्यतया कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- यदि फ्लुइड (तरल पदार्थ) पेट से फेफड़ों में चला गया तो निमोनिया हो सकता है। ऐसा होने पर एंटीबायोटिक व आगे ईलाज की ज़रूरत पड़ सकती है।
- मैडिकल एवम् /अथवा तकनीकी कारणों से प्रक्रिया करना संभव ना हो।

बहुत ही कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- एक्स-रे किरणों के संपर्क में आने के कारण जीवन में कैंसर की अधिक संभावना
- कॉन्ट्रास्ट से एलर्जी। इसके परिणामस्वरुप रैश (फुन्सियां), चमड़ी लाल होना या सूज जाना, खुजली, उबकाई, फेंटिंग (चक्कर आकर गिरना या बेहोशी की सी स्थिति) या साँस की कमी हो सकती है । ऐसी स्थितियों में सुधार के लिये दवाई दी जा सकती है।
- इस प्रक्रिया के कारण मृत्यु बहुत ही कम मामलों में होती है।

7. अस्पताल से छुट्टी होने पर सुरक्षा संबंधी मुद्दे कौन कौन से हैं?

यदि आपकी तबियत बिगड़ जाये तो अपने निकटतम A&E (एक्सीडैंट एंड ईमरजैंसी) विभाग या GP (डॉक्टर) के पास जायें।

मेरे डॉक्टर/ हैल्थ प्रैक्टिशनर से जो बातें करनी हैं:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

09/2009 - V 1.0

Queensland Government

PATIENT INFORMATION SHEET ONLY

NO DOCUMENTED CONSENT REQUIRED

Unless patient is renal impaired

If a documented consent is required

Interpreter Services *must* be accessed